# Government Arts and Science College
## Ratlam (M.P.) 457001

Internal Quality Assurance Cell
Govt. Arts & Science College, Ratlam (M.P.)

Phone: 07412 - 235149 E-mail: hegaaspgcrat@mp.gov.in, pgcolrtm@hotmail.com


For the session 2022-23 the syllabus applied respectively in UG I and II have been adopted from Central Board of Studies Bhopal designed according to NEP2020. For UG III and PG the syllabus of the previous session have been followed.

Principal
Govt. Arts and Science College
Ratlam (M.P.)

Principal
Govt. Arts & Science College
Ratlam (M.P.)

# अर्थशास्त्र- सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

| भाग अ - परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम: प्रमाण पत्र | कक्षा: बी.ए. प्रथम | वर्ष: 2021 (1st year) | सत्र: 2022-23 |
| विषय: अर्थशास्त्र | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A1-ECON1T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | व्यष्टि अर्थशास्त्र( प्रश्नपत्र 1) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....) | कोर कोर्स | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | किसी भी संकाय से 12वीं उत्तीर्ण | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (**CLO**) | इस पाठयक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी व्यष्टि अर्थशास्त्र के तर्कसंगत व्यवहार और बुनियादी अवधारणाओं को समझने में सक्षम होगे। वे उपभोक्ता और उत्पादकों के व्यवहार और उनके इष्टतम निर्णयों की व्याख्या एवं फर्मों और उद्योगों द्वारा बाजारों में इष्टतम उत्पादन के निर्णयों के बारे में जान सकेगें। विद्यार्थी वितरण के सिद्धान्त और आर्थिक कल्याण की अवधारणा को समझ सकेगे। व्यष्टि अर्थशास्त्र सीखना वास्तविक दुनिया में हमें प्रभावित करने वाले कई कारकों की समझ हासिल करने का एक प्रभावी तरीका है जैसे कि सामान खरीदने के तरीके, उत्पादन मूल्य निर्धारण और साधन मूल्य निर्धारण I अन्ततः अर्थशास्त्र के सिद्धांतों के बारे में जानने के लिये व्यष्टि अर्थशास्त्र को समझना महत्वपूर्ण है I | |
| 6 | क्रेडिट मान | 6 + 0 = 6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 25+75 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |

**भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु**

**व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 03 घंटे**

| इकाई | | विषय | व्याख्यान की संख्या |
|---|---|---|---|
| I. अर्थशास्त्र का परिचय | 1. | अर्थशास्त्र की परिभाषा, क्षेत्र एवं प्रकृति | 18 |
| | 2. | अर्थशास्त्र का सामाजिक विज्ञान के अन्य विषयों से संबंध | |
| | 3. | वास्तविक एवं आदर्शात्मक अर्थशास्त्र | |
| | 4. | आर्थिक विश्लेषण की पद्धतियां- आगमन एवं निगमन विधि | |
| | 5. | मूल अवधारणाएं-वस्तु, कीमत, मूल्य, विवेकशील व्यवहार, आर्थिक नियम, आवश्यकता एवं चयन | |
| | 6. | अर्थव्यवस्था की केन्द्रीय समस्याएं- उत्पादन संभावना वक्र | |

29.5.21 (डॉ. दीप्ति ढवले)

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| II. उपभोक्ता का व्यवहार | 1. गणनावाचक दृष्टिकोण - उपयोगिता, सीमांत व कुल उपयोगिता | 18 |
| | 2. सीमांत उपयोगिता ह्रास नियम | |
| | 3. समसीमांत उपयोगिता नियम, उपभोक्ता की बचत | |
| | 4. क्रमवाचक दृष्टिकोण - तटस्थता वक्र विश्लेषण अर्थ व विशेषताएं, उपभोक्ता का संतुलन | |
| | 5. व्यवहारवादी दृष्टिकोण- प्रकट अधिमान सिद्धान्त | |
| | 6. मांग का नियम एवं उसके अपवाद - गिफिन वस्तुएं | |
| | 7. मांग की लोच -कीमत, आय व आड़ी लोच। | |
| III. उत्पादन | 1. पूर्ति का नियम एवं पूर्ति की लोच | 18 |
| | 2. उत्पादन फलन | |
| | 3. परिवर्तनशील अनुपातों के नियम | |
| | 4. पैमाने के प्रतिफल | |
| | 5. समोत्पाद वक्र - अर्थ व विशेषताएं | |
| | 6. उत्पादक का संतुलन | |
| | 7. पैमाने की बचते | |
| | 8. आगम एवम लागत की अवधारणाएं- कुल, औसत व सीमांत | |
| IV. बाजार एवं मूल्य निर्धारण | 1. बाजार का अर्थ एवं वर्गीकरण | 18 |
| | 2. पूर्ण प्रतियोगिता अर्थ एवं विशेषताएं | |
| | 3. पूर्ण प्रतियोगिता एवं शुद्ध प्रतियोगिता | |
| | 4. पूर्ण प्रतियोगिता में कीमत एवं उत्पादन का निर्धारण | |
| | 5. एकाधिकार में कीमत व उत्पादन का निर्धारण | |
| | 6. एकाधिकार में कीमत विभेद | |
| | 7. एकाधिकृत प्रतियोगिता | |
| V. साधन कीमत निर्धारण के सिद्धांत | 1. वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त | 18 |
| | 2. वितरण के सिद्धांत | |
| | क.लगान | |
| | ख.मजदूरी | |
| | ग.ब्याज | |
| | घ.लाभ | |
| | 3. कल्याणवादी अर्थशास्त्र की अवधारणा। | |

**सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:**

वास्तविक अर्थशास्त्र, आदर्शात्मक अर्थशास्त्र, आगमन-निगमन विधि, उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन फलन, पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकृत प्रतियोगिता, सीमांत उत्पादकता।

**भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**

दीप्ति 29.5.21 (डॉ. दीप्ति ढवले)

Department of Higher Education

1. आहुजा एच.एल- सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धान्त, एस चांद एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली नवीनतम संस्करण।
2. बरला सी.एस. -सूक्ष्म अर्थशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, जयपुर नवीनतम संस्करण।
3. झिंगन एम .एल.- व्यष्टि अर्थशास्त्र - वृन्दा पब्लिकेशन नई दिल्ली।
4. मिश्रा एस.के. एवं पुरी.वी.के. 2001 उच्चतर व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण,हिमालया पब्लिशिंग हाउस मुंबई।
5. सेठ एम.एल.- व्यष्टि अर्थशास्त्र।
6. पंत जे.सी. एवं मिश्रा जे.पी, सूक्ष्मअर्थशास्त्र ,साहित्यभवन पब्लिकेशन, आगरा
7. सिन्हा वी.सी.एवं सिन्हा पुष्पा , व्यष्टिअर्थशास्त्र,S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा
8. Sinha V.C. and SrivastavRitu , (2020-21) S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा

**2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**

1. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
2. https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences
3. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:** http://www.mcafee.cc/Introecon/IEA2007.pdf

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

**अधिकतम अंक: 100**

**सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75**

| | | |
|---|---|---|
| **आंतरिक मूल्यांकन:**<br>**सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):** | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 15<br>10<br>**कुल अंक :25** |
| **आकलन :**<br>**विश्वविद्यालयीन परीक्षा:**<br>समय- 02.00 घंटे | **अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)**<br>**अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)**<br>**अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)** | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>**कुल अंक 75** |

**कोई टिप्पणी/सुझाव:**

29.5.21 (डॉ. दीप्ति डबले)

Department of Higher Education

## Economics - Syllabus of Theory Paper

| Part A Introduction | | | | |
|---|---|---|---|---|
| Program: Certificate | | Class: B.A. I year | Year: 2021 (Ist year) | Session:2022-23 |
| Subject: Economics | | | | |
| 1 | Course Code | A1-ECON1T | | |
| 2 | Course Title | MICRO ECONOMICS (Paper 1) | | |
| 3 | Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....) | CORE COURSE | | |
| 4 | Pre-requisite (if any) | 12th Pass in Any Discipline | | |
| 5 | Course Learning outcomes (CLO) | After completing this course, students will be able to understand rational behaviour and fundamentals of microeconomics. They will be able to explain consumer's and producer's behaviour and their optimum decisions. Students will be able to know about the firms and industry, markets and their decisions about optimum production. They will be also able to explain the theory of distribution and concept of economic welfare. Learning microeconomics is an excellent way to gain an understanding of many factors that affect us in the real-world, such as methods of buying goods, product pricing and input pricing. Ultimately, learning microeconomics is key in learning about the principles of economics. | | |
| 6 | Credit Value | 06 | | |
| 7 | Total Marks | Max. Marks: 25+75 | | Min. Passing Marks:33 |

**Part B- Content of the Course**

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):03 hours**
**L-T-P:**

| Unit | Topics | No. of Lectures |
|---|---|---|
| **I.** **Introduction of Economics** | 1. Definition, Scope and Nature of Economics<br>2. Relation of Economics with other Social Science Subjects<br>3. Positive and Normative Economics<br>4. Methods of Economic Analysis -Inductive and Deductive methods.<br>5. Basic Concepts – Commodity, Price, Value, Rational Behaviour, Economic Laws, Wants and Choices<br>6. Central Problems of An Economy -Production Possibility Curve | **18** |

Department of Higher Education

दीपिका 29.5.21 (डॉ. दीपिका ढवले)

| | | |
|---|---|---|
| **II.**<br>**Consumer Behaviour** | 1. Cardinal Approach –Utility, Marginal Utility and Total Utility<br>2. Law of Diminishing Marginal Utility<br>3. Law of Equi -Marginal Utility, Consumer's Surplus<br>4. Ordinal Approach-Indifference curve- Meaning and Characteristics, Consumer's Equilibrium<br>5. Behavioural Approach – Revealed Preference Theory<br>6. Law of Demand and its exceptions- Giffen goods<br>7. Elasticity of Demand -Price, Income and Cross Elasticity | **18** |
| **III.**<br>**Production** | 1. Law of Supply and Elasticity of Supply<br>2. Production Function<br>3. Law of Variable Proportions<br>4. Returns to Scale<br>5. ISO -Product Curve – Meaning and Characteristics.<br>6. Producer's Equilibrium<br>7. Economies of Scale<br>8. Concept of Revenue and Cost -Total, Average and Marginal | **18** |
| **IV.**<br>**Market and Price Determination** | 1. Meaning and Classification of Markets<br>2. Perfect Competition -Meaning and Characteristics<br>3. Perfect Competition and Pure Competition.<br>4. Determination of Price and Output under Perfect Competition<br>5. Determination of Price and Output under Monopoly<br>6. Price Discrimination under Monopoly<br>7. Monopolistic Competition | **18** |
| **Unit V**<br>**Theory of Factor Pricing** | 1. Marginal Productivity Theory of Distribution<br>2. Theories of Distribution<br>a. Rent<br>b. Wage<br>c. Interest<br>d. Profit<br>3. Concept of Welfare Economics | **18** |

दीप्ति 29.5.21 (डॉ. दीप्ति धवले)

Department of Higher Education

**Keywords/Tags:** Positive Economics, Normative Economics ,Inductive and Deductive methods, Consumer Behaviour, Production Function, Perfect Competition ,Monopoly ,Monopolistic ,Marginal Productivity

**Part C-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other resources**

I. **Suggested Readings:**

1. Ahuja, H.L. (Latest Addition). Principles of Micro Economics, Sultan Chand and Company, New Delhi (Hindi and English Versions).
2. Barla, C.S. .(Latest Addition), Micro Economics, National Publishing House, Jaipur, New Delhi (Hindi and English Versions).
3. Jhingan, M.L. (Latest Addition), Micro Economic, Vrinda Publication, New Delhi (Hindi and English Versions).\
4. Karl E. Case and Ray C. Fair, (2007), Principles of Economics, 8th Ed., Pearson Education Inc.
5. Koutsoyiannis, A. (1979), Modern Microeconomics, (2nd Edition), Macmillan Press, London.
6. Kreps, David M. (1990), A Course in Microeconomic Theory, Princeton University Press, Princeton
7. Mankiw, G. (2010), Principles of Microeconomics, 6th ed., South-Western College Publication, USA.
8. Misra, S. K. and Puri, V. K. (2001) – Advanced Micro Economic Theory, Himalaya Publishing House, Bombay (Hindi and English Versions).
9. Salvatore D. (2006), Microeconomics-Theory and Applications, Oxford University Press
10. Salvatore D, (2002) Theory and Problems of Microeconomic Theory, Schaum's Outline Series, McGraw-Hill Book Company, Singapore
11. पंत जे.सी. एवं मिश्रा जे.पी, सूक्ष्म अर्थशास्त्र ,साहित्यभवन पब्लिकेशन, आगरा
12. सिन्हा वी.सी.एवं सिन्हा पुष्पा , व्यष्टि अर्थशास्त्र,S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा
13. Sinha V.C. and SrivastavRitu , (2020-21) S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा

**Suggestive Digital Platform :**

1 https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11

2 https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences

3 https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

**Suggested equivalent online courses::** http://www.mcafee.cc/Introecon/IEA2007.pdf

29.5.21 (डॉ. दीप्ति धवले)

Department of Higher Education

| Part D-Assessment and Evaluation | | |
|---|---|---|
| **Suggested Continuous Evaluation Methods:**<br>Maximum Marks : 100<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks | | |
| **Internal Assessment :**<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25 | Class Test<br>Assignment/Presentation | 15<br>10 |
| **External Assessment :**<br>University Exam Section: 75<br>Time : 02.00 Hours | **Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each)<br>**Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each)<br>**Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30 Total 75 |
| **Any remarks/ suggestions:** | | |

29.5.21 (डॉ. दीप्ति ढवले)

Department of Higher Education

# अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

| भाग अ - परिचय | | | | |
|---|---|---|---|---|
| कार्यक्रम: प्रमाण पत्र | | कक्षा: बी.ए. प्रथम | वर्ष: 2021 (1st Year) | सत्र:2022-23 |
| विषय: अर्थशास्त्र | | | | |
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A1-ECON2T | | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | भारतीय अर्थव्यवस्था (प्रश्न पत्र 2) | | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....) | कोर कोर्स | | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | किसी भी संकाय से 12वीं उत्तीर्ण | | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | इस पाठयक्रम को पूर्ण करने के बाद विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था का विस्तृत अध्ययन कर अपने विश्लेषणात्मक कौशल में अभिवृद्धि करने में सक्षम होगें। वे भारत में कृषि, उद्योग, विदेशी व्यापार, आर्थिक नियोजन और विभिन्न आर्थिक समस्याओं के संबंधित मुद्दो से परिचित होंगें तथा मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न पहलुओं को भी समझ सकेगे \| भारतीय अर्थव्यवस्था की घटनाओं और मुददों की व्याख्या एवं विश्लेषण करने में विद्यार्थी सक्षम होंगे। | | |
| 6 | क्रेडिट मान | 6 + 0 = 6 | | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 25+75 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 | |

**भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु**

**व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P: 03 घंटे**

| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
|---|---|---|
| I. परिचय | 1. भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएँ | 18 |
| | 2. राष्ट्रीय आय की क्षेत्रीय संरचना एवं प्रवृत्ति | |
| | 3. श्रमशक्ति का क्षेत्रीय वितरण | |
| | 4. प्राकृतिक संसाधन सम्पदा- भूमि, जल, पशुधन ,वन, खनिज | |
| | 5. जनांकिकीय विशेषताएँ- जनसंख्या की संरचना, आकार एवं वृद्धि दर | |
| | 6. जनाधिक्य की समस्या एवं जनसंख्या नीति | |
| II. कृषि | 1. भारतीय कृषि की प्रवृत्ति, महत्व व विशेषताएँ | 18 |
| | 2. भू उपयोग पद्धति एवं भू-सुधार | |
| | 3. कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियां | |
| | 4. हरित क्रांति- उद्देश्य ,सफलताएं एवं विफलताएं | |
| | 5. कृषि वित्त एवं बीमा | |
| | 6. कृषि विपणन | |
| | 7. कृषि में नवीन तकनीक | |

29.5.21 डॉ. दीप्ति ढवले

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| III. उद्योग एवं आधारभूत संरचना | 1. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत का औद्योगिक विकास | |
| | 2. नई औद्योगिक नीति 1991 | |
| | 3. औद्योगीकरण में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की भूमिका | **18** |
| | 4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम(MSME)-परिभाषा, विशेषताएँ एवं इनकी भूमिका | |
| | 5. लघु एवं कुटीर उद्योगो की समस्याएं एवं समाधान | |
| | 6. स्टार्टअप इण्डिया, मेक इन इण्डिया एवं आत्मनिर्भर भारत | |
| | 7. आधारभूत संरचना – ऊर्जा, परिवहन एवं संचार | |
| IV. विदेशी व्यापार एवं विकास | 1. भारत का विदेशी व्यापार-महत्व, दशा व दिशा | |
| | 2. प्रत्यक्ष विदेशी निवेश व बहुराष्ट्रीय निगमों की भूमिका | |
| | 3. भारत में विनिवेश | **18** |
| | 4. भारतीय नियोजन- उद्देश्य, सफलताएं एवं विफलताएं | |
| | 5. नीति आयोग | |
| | 6. भारतीय आर्थिक समस्याएं-गरीबी, बेरोजगारी एवं क्षेत्रीय विषमताएं | |
| V. मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था | 1. मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएं | |
| | 2. मध्यप्रदेश के प्राकृतिक संसाधन - भूमि, जल, वन, खनिज | |
| | 3. मध्यप्रदेश में कृषि की क्षेत्रीय विषमताएं एवं प्रवृत्तियाँ | **18** |
| | 4. मध्यप्रदेश में जैविक खेती एवं पॉलीघर | |
| | 5. मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास | |
| | 6. मध्यप्रदेश में आधारभूत संरचना का विकास - ऊर्जा, परिवहन एवं संचार | |
| | 7. मध्यप्रदेश में पर्यटन विकास | |
| | 8. मध्यप्रदेश में रोजगार मूलक योजनाएं | |

**सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:**

क्षेत्रीय संरचना, भारत के मानवीय संसाधन, भारतीय कृषि, औद्योगीकरण, आधारभूत संरचना, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, क्षेत्रीय विषमताएं, जैविक खेती और औद्योगिक विकास।

**भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**


1. मिश्रा एवं पुरी - भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस ,नई दिल्ली ।
2. रूद्रदत्त एवं सुन्दरम- भारतीय अर्थव्यवस्था, एस. चान्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली ।
3. रूद्रदत्त-विकास, गरीबी एवं समता, दीप एंड दीप पब्लिकेशन प्रा.लि., नई दिल्ली ।
4. जे.पी. मिश्रा – भारतीय अर्थव्यवस्था, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा ।
5. Panagariya, Arvind. (2020)-India Unlimited: Reclaiming the Lost Glory, Harper Collins


29.5.21 डॉ. दीप्ति ठवले

Department of Higher Education

Publishers India

6. Hariharan, N. P. (2008) – Lights and Shades of Indian Economy, Vishal Publishing Co., Jalandhar.
7. Uma Kapila (20th Edition) (2009) – Indian Economy since Independence, Academic Foundation, New Delhi.
8. Reserve Bank of India –Annual Reports.
9. Annual Economic Survey, Government of India (Latest).
10. Brahmananda, P. R. and V. R. Panchmukhi (Eds.) (1987) – The Development Process of the Indian Economy, Himalaya Publishing House, Bombay.
11. Government of India, Planning Commission, 12th Five Year Plan, New Delhi
12. मध्यप्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण 2020-2021,आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय , भोपाल मध्यप्रदेश

## 2. अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक

1.http://des.mp.gov.in/Portals/0/Economic_Survey_%202020-21.pdf
2.https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/ebook_es2021/index.html
3.www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/
4.https://www.rbi.org.in/Scripts/AnnualReportMainDisplay.aspx
5.https://www.rbi.org.in/hindi/Scripts/armainpage.aspx
6.https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
7.https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:** https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc21_hs51/preview

**भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:**

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

| | | |
|---|---|---|
| **आंतरिक मूल्यांकन:**<br>**सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):** | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 15<br>10<br>कुल अंक :25 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा:<br>समय- 02.00 घंटे | अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)<br>अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)<br>अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>कुल अंक 75 |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

दीप्ति 29.5.21 डॉ. दीप्ति दवले

Department of Higher Education

# Economics - Syllabus of Theory Paper

| Part A Introduction | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **Program: Certificate** | | **Class: B.A. I Year** | **Year: 2021** I^st year | **Session:2022-23** |
| **Subject: Economics** | | | | |
| **1** | **Course Code** | A1-ECON2T | | |
| **2** | **Course Title** | INDIAN ECONOMY(Paper 2) | | |
| **3** | **Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)** | CORE COURSE | | |
| **4** | **Pre-requisite (if any)** | 12 th Pass in Any Discipline | | |
| **5** | **Course Learning outcomes (CLO)** | After completing this course, students will be able to sharpen the analytical skills by highlighting on broad overview of the Indian economy. They will be familiar with the issues related to Agriculture, Industry, Foreign Trade, Economic Planning and various Economic Problems of India. Students will be acquainted with broad overview of Madhya Pradesh Economy. They will be able to develop, analyse and interpret events and issues related to Indian Economy. | | |
| **6** | **Credit Value** | 06 | | |
| **7** | **Total Marks** | Max. Marks: 25+75 | Min. Passing Marks: 33 | |

**Part B- Content of the Course**

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): 03 hours**

**L-T-P:**

| Unit | Topics | No. of Lectures |
|---|---|---|
| **I. Introduction** | 1. Characteristics of Indian Economy<br>2. Trends and Sectoral Composition of National Income<br>3. Sectoral Distribution of Workforce<br>4. Natural Resource Endowments- Land, Water, Livestock, Forest and Minerals<br>5. Demographic Features - Population Composition, Size and Growth Rates<br>6. Problems and Causes of Over-Population and Population Policy | 18 |
| **II Agriculture** | 1. Nature, Importance and Characteristics of Indian Agriculture | |

29.5.21 (डॉ. दीप्ति दवले)

| | | |
|---|---|---|
| | 2. Land Use Pattern and Land Reforms<br>3. Trends in Agricultural Production and Productivity<br>4. Green Revolution- Objectives, Achievements and Failures<br>5. Agriculture Finance and Insurance<br>6. Agriculture Marketing<br>7. New Technology in Agriculture | 18 |
| **III**<br>**Industry and Infrastructure** | 1. Industrial Development of India after Independence<br>2. New Industrial Policy of 1991<br>3. Role of Public Sector and Private Sector in Industrialization<br>4. MSME- Definition , Characteristics and Its Role<br>5. Problems and Remedies of Small-Scale and Cottage Industries<br>6. Start-up India, Make in India and Aatm Nirbhar Bharat<br>7. Infrastructure Composition -Power, Transport and Communication | 18 |
| **Unit IV**<br>**Foreign Trade and Development** | 1. India's Foreign Trade- Importance, Composition and Direction<br>2. Role of Foreign Direct Investment, Multinational Corporations<br>3. Disinvestment in India<br>4. Indian Planning -Objectives, Achievements and Failures<br>5. NITI Aayog<br>6. Indian Economic Problems – Poverty , Unemployment and Regional Inequality | 18 |
| **Unit V**<br>**Economy of Madhya Pradesh** | 1. Salient Features of Madhya Pradesh's Economy<br>2. Natural Resources of Madhya Pradesh- Land, Forest, Water and Minerals<br>3. Trends and Regional Disparities in Agriculture Sector of Madhya Pradesh<br>4. Organic Farming and Polyhouse in Madhya Pradesh<br>5. Industrial Development in Madhya Pradesh<br>6. Infrastructure Development in Madhya Pradesh– Power,Transport and Communication<br>7. Development of Tourism in Madhya Pradesh | 18 |

दीप्ति 29.5.21 डॉ. दीप्ति दवले

| | | |
|---|---|---|
| | 8. Employment oriented Schemes in Madhya Pradesh | |

**Keywords/Tags:** Sectoral Composition, Human resources of India, Indian Agriculture, Industrialization , Infrastructure ,Foreign Direct Investment, Regional Disparities, Organic Farming ,Industrial Development

**Part C-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other Resources**

**I. Suggested Readings:**


1. Panagariya, Arvind. (2020)-India Unlimited: Reclaiming the Lost Glory, HarperCollins Publishers India
2. Mishra and Puri (2020) – Indian Economy, Himalaya Publishing House, New Delhi.
3. Rudra Dutt and Sundaram – Indian Economy, S. Chand and Company, New Delhi.
4. Hariharan, N. P. (2008) – Lights and Shades of Indian Economy, Vishal Publishing Co., Jalandhar.
5. Uma Kapila (20th Edition) (2009) – Indian Economy since Independence, Academic Foundation, New Delhi.
6. Reserve Bank of India –Annual Reports.
7. Annual Economic Survey, Government of India (Latest).
8. Brahmananda, P. R. and V. R. Panchmukhi (Eds.) (1987) – The Development Process of the Indian Economy, Himalaya Publishing House, Bombay.
9. Government of India, Planning Commission, 12th Five Year Plan, New Delhi
10. रूद्रदत्त-विकास, गरीबी एवं समता, दीप एंड दीप पब्लिकेशन प्रा.लि. नई दिल्ली
11. जे.पी. मिश्रा – भारतीय अर्थव्यवस्था, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा
12. मध्यप्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 – आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय भोपाल मध्यप्रदेश


**Suggested equivalent online courses**: https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc21_hs51/preview

**Suggestive Digital Platform :**

1. http://des.mp.gov.in/Portals/0/Economic_Survey_%202020-21.pdf
2. https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/ebook_es2021/index.html
3. www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/
4. https://www.rbi.org.in/Scripts/AnnualReportMainDisplay.aspx
5. https://www.rbi.org.in/hindi/Scripts/armainpage.aspx
6. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
7. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

29.5.21

## Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :**<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25 | Class Test Assignment/Presentation | 15<br>10 |
| **External Assessment :**<br>University Exam Section: 75<br>Time : 02.00 Hours | **Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each)<br>**Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each) **Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30 Total 75 |

**Any Remarks/ Suggestions:**

दीप्ति
29.5.21 डॉ. दीप्ति ढवले

## भाग–'अ' : परिचय

| प्रोग्राम/कार्यक्रम : सर्टीफिकेट | | कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष | | वर्ष : 2021 | सत्र : 2022–23 |
|---|---|---|---|---|---|
| विशय : व्यावसायिक अर्थशास्त्र | | | | | |
| 1. | पाठ्यक्रम संकेतांक | A-1-BECO2G | | | |
| 2. | पाठ्यक्रम शीर्षक | मुद्रा एवं बैंकिंग का अर्थशास्त्र | | | |
| 3. | पाठ्यक्रम प्रकार (मूलभूत या केन्द्रीय पाठ्यक्रम/चयनकारी या ऐच्छिक/ सामान्य चयनकारी या सामान्य ऐच्छिक/रोजगार मूलक/वृत्ति मूलक | सामान्य चयनकारी या ऐच्छिक– | | | |
| 4. | पूर्व आकांक्षित (यदि कोई हो) | ..... | | | |
| 5. | पाठ्यक्रम सीखने का परिणाम (सी.एल.ओ.) | यह पाठयक्रम भारतीय व्यावसायिक संदर्भ हेतु प्रासंगिक मुद्रा एवं बैंकिंग व्यवस्थाओं की अवधारणाओं, सिद्धान्तों तथा भूमिका एवं कार्य प्रणाली को समझनें के दृष्टिकोणों के प्रति जागरूकता विकसित करने में छात्रों को सक्षम बनाता है। | | | |
| 6. | क्रेडिट मान | सिद्धान्त–6 | | | |
| 7. | कुल अंक | न्यूनतम् अंक : 25+75=100 | | न्यूनतम् अंक : 33 | |

## भाग–'ब'

| पाठ्यक्रम की विषयानुक्रमणिका– सामान्य चयनकारी या सामान्य ऐच्छिक–द्वितीय (मुद्रा एवं बैंकिंग अर्थशास्त्र) | | |
|---|---|---|
| | व्याख्यान की कुल संख्या–ट्यूटोरियल्स–प्रायोगिक (साप्ताहिक घंटे) :<br>एल.टी.पी. | |
| इकाई | शीर्षक | व्याख्यानों की संख्या |
| व्याख्यान की कुल संख्या=90 | | |
| इकाई | शीर्षक | व्याख्यानों की संख्या |
| I | **मुद्रा का परिचय :**<br>मुद्रा का अर्थ, प्रकृति एवं कार्य, मुद्रा का परिमाणात्मक सिद्धान्त–क्लासिकल, कीन्सियन, मुद्राशास्त्री, मुद्रा पूर्ति का सिद्धान्त, मुद्रा पूर्ति के घटक, मुद्रा पूर्ति की माप, मुद्रा–पूर्ति के निर्धारक घटक, मुद्रा गुणक। | 20 |
| | **कीवर्ड/टैग :** मुद्रा; मुद्रा पूर्ति; मुद्रा गुणक। | |
| II | **मुद्रा की मॉग :**<br>क्लासिकल सिद्धान्त, कीन्स सिद्धान्त, विरियोग सूची शेष सिद्धान्त, फ्रीडमैन का सिद्धान्त, मौद्रिक नीति–अर्थ, उद्देश्य एवं उपकरण, ब्याज दर की संरचना, अवधि संरचना और उपार्जन वक्र, ब्याज दर अवधि संरचना के सिद्धान्त। | 15 |
| | **कीवर्ड/टैग :** मौद्रिक नीति; ब्याज दर; अवधि संरचना;उपार्जन वक्र। | |
| III | **वित्तीय प्रणाली :**<br>वित्तीय बाजार के विभिन्न सिद्धान्त एवं दृष्टिकोण, कार्य एवं प्रकार, मुद्रा बाजार एवं पूँजी बाजार : प्रकृति, कार्य एवं उपकरण, भारतीय मुद्रा और पूँजी बाजार की संरचना, प्रतिभूति बाजार की राष्ट्रीय संस्थाएँ, विनियोग नियोजन, वित्तीय एवं वास्तविक क्षेत्रकों पर सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य। | 15 |
| | **कीवर्ड/टैग :** मुद्रा बाजार; पूँजी बाजार; वित्तीय क्षेत्र; वास्तविक क्षेत्र। | |

| | | |
|---|---|---|
| IV | ***बैंकिंग :***<br>*बैंकिंग के सिद्धान्त; वाणिज्यिक एवं केन्द्रीय बैंकिंग प्रणाली–कार्य, साख निर्माण तथा साख नियंत्रण, भारत में बैंकिंग एवं गैर बैंकिंग वित्तीय मध्यस्थ संस्थाएँ, आर.बी.आई. – कार्य, मौद्रिक नीति–विधियॉ एवं भारत में अद्यतन परिवर्तन, अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक नीति संप्रेषण तंत्र।* | *20* |
| | ***कीवर्ड/टैग** : बैंक; साख निर्माण; साख नियंत्रण।* | |
| V | ***व्यावसायिक मौद्रिक नीति** :*<br>*मौद्रिक नीति की अवधारणा, मौद्रिक नीति के उपकरण, मन्दीकाल में मौद्रिकनीति की प्रभावशीलता, स्फीति में मौद्रिक नीति की प्रभावशीलता, मौद्रिक नीति के उद्देश्य, मौद्रिक नीति एवं आर्थिक विकास, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की मौद्रिक नीति।* | *20* |
| | ***कीवर्ड/टैग** : मौद्रिक नीति; आर्थिक संवृद्धि।* | |

| Part-C Learning Resources |
|---|
| Text Books, Reference Books, Other Resources |
| **Suggested Readings :**<br><br>1. *Bhole, L. M. (2004). Financial Institutions and Markets: Structure, Growth and Innovations. India: Tata McGraw-Hill Education*<br>*2. Gautam, S.K. (2012): Money, banking and finance. Mumbai, Vakratund publishers.*<br>*3. Hajela, T.N (2009): Money and banking: Theory with Indian banking. New Delhi, Ane books Pvt. Ltd.*<br>*4. Hajela, T.N. (2015): Money banking and public finance, New Delhi, Ane Books Pvt. Ltd.*<br>*5. Iyenagar (2011): Money matters: Macroeconomics and financial markets, New Delhi, Sage publications*<br>*6. Mithani, D.M. (2013): Money, Banking, international trade and public finance, New Delhi, Himalaya publishing house*<br>*7. Poonia, V. (2012): Money banking in India. New Delhi, Srishti books distributors.*<br>*8. Popli, G. S., Jain, A. (2015): Principles and Systems of Banking, PHI Publishing.*<br>*9. Uppal, R.K (2011): Money banking and finance: evolution and present structure, New Delhi, new century publications*<br>*10. Zola, Emile (2014): Money, New Delhi, Oxford University press* |
| **Suggested Equivalent On line Courses :**<br><br>1. https://www.coursera.org/courses?query=economics<br>2. https://www.mooc-list.com/tags/economics<br>3. https://www.coursera.org/learn<br>4. https://ocw.mit.edu/courses<br>5. https://nptel.ac.in/courses/macro economics<br>6. https://nptel.ac.in/courses/economics<br>7. https:// nptel.ac.in/courses/Managerial Economics |

Nattale

| Part-D : Assessment and Evaluation (Theory) | | |
|---|---|---|
| Maximum Marks : **100**<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : **25**<br>University Exam (UE) : **75**<br>Time : **02.00 Hours** | | |
| **Internal Assessment :.**<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test | 15 |
| | Assignment/Presentation | 10 |
| | **Total** | **25** |
| **External Assessment :**<br>University Exam | Section (A) : Three Very Short Questions (50 Words Each) | 03×03 = 09 |
| | Section (B) : Four Very Short Questions (200 Words Each) | 04×09 = 36 |
| | Section (C) : Two Long Questions (500 Words Each) | 02×15 = 30 |
| | **Total** | **75** |

## Part-A : Introduction

| **Program :** Certificate | | **Class:** B.A. I Year | **Year:** 2021 | **Session:**2022-23 |
|---|---|---|---|---|
| **Subject:** Business Economics | | | | |
| 1. | **Course Code** | A-1-BECO2G | | |
| 2. | **Course Title** | Economics of Money & Banking | | |
| 3. | **Course Type (Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational** | Elective- | | |
| 4. | **Pre-requisite (if any)** | ---------- | | |
| 5. | **Course Learning outcomes (CLO)** | This course will enable to the student to develop an awareness about the basic concepts, theories and approaches to understand the role and the functioning of the monetary and banking systems, with relevance to the Indian business context. | | |
| 6. | **Credit Value** | Theory-6 | | |
| 7. | **Total Marks** | Max. Marks: 25+75=100 | Min. Passing Marks: 33 | |

**Part-B**

| Consent of the Course-GE Subject-II (Economics of Money & Banking) | | |
|---|---|---|
| | Total No. of Lecture -Tutorials-Practical (if hours per week):<br>L-T-P: | |
| Unit | Topics | No. of Lectures |
| Total No. of Lectures=90 | | |

| Unit | Topic | No. of Lectures |
|---|---|---|
| I | **Introduction to Money**:<br>Meaning, Nature and functions of Money; Quantity Theory of Money – Classical, Keynesian, Monetarists; Theories of Money Supply, Components of Money Supply; Measures of Money Supply; Determinants of Money Supply; Money Multiplier. | 20 |
| | ***Key words/Tags*** *: Money; Money Supply; Money Multiplier.* | |
| II | **Demand for Money :**<br>Classical Theory, Keynes Theory, Portfolio Balance Theory, Friedman's Theory; Monetary Policy – Meaning, Objectives, and Instruments; The structure of interest rate–term structure and yield curve, Theories of term structure of interest rates. | 15 |
| | ***Key words/Tags*** *: Monetary Policy;* Interest Rates; Yield Curve. | |
| III | **Financial System :**<br>**Different theories & Approaches; Financial Markets** ; Functions and Types; Money **Market and Capital Market** : nature, functions and instrument; Structure of Indian money and capital markets; National Institutions of Security Market, Investment Planning, Theoretical perspectives on financial and real sectors. | 15 |
| | ***Key words/Tags*** *: Money Markets; Capital Market;* Financial sectors; Real sectors. | |
| IV | **Banking :**<br>Theories of Banking; Commercial and Central Banking Systems – Functions, Credit Creation and Credit Control; Banking and Non-Banking Financial Intermediaries in India; RBI – Functions, Monetary Policy – Methods and Recent Changes in India; International Monetary policy transmission mechanism. | 20 |
| | ***Key words/Tags*** *: Banking; Credit Creation; Credit Control.* | |

Nathak

| | | |
|---|---|---|
| V | **Business Monetary Policy :**<br>Concept of Monetary Policy, Instrument of Monetary Policy; Effectiveness of Monetary Policy in Recession; Effectiveness of Monetary Policy in Inflation, Objectives of Monetary Policy, Monetary Policy & Economic Growth. Monetary Policies of the Reserve Bank of India. | 20 |
| | ***Key words/Tags*** *: Monetary Policy; Economic Growth* | |

| Part-C Learning Resources |
|---|
| Text Books, Reference Books, Other Resources |
| **Suggested Readings :**<br><br>1. *Bhole, L. M. (2004). Financial Institutions and Markets: Structure, Growth and Innovations. India: Tata McGraw-Hill Education*<br>*2. Gautam, S.K. (2012): Money, banking and finance. Mumbai, Vakratund publishers.*<br>*3. Hajela, T.N (2009): Money and banking: Theory with Indian banking. New Delhi, Ane books Pvt. Ltd.*<br>*4. Hajela, T.N. (2015): Money banking and public finance, New Delhi, Ane Books Pvt. Ltd.*<br>*5. Iyenagar (2011): Money matters: Macroeconomics and financial markets, New Delhi, Sage publications*<br>*6. Mithani, D.M. (2013): Money, Banking, international trade and public finance, New Delhi, Himalaya publishing house*<br>*7. Poonia, V. (2012): Money banking in India. New Delhi, Srishti books distributors.*<br>*8. Popli, G. S., Jain, A. (2015): Principles and Systems of Banking, PHI Publishing.*<br>*9. Uppal, R.K (2011): Money banking and finance: evolution and present structure, New Delhi, new century publications*<br>*10. Zola, Emile (2014): Money, New Delhi, Oxford University press* |
| **Suggested Equivalent On line Courses :**<br><br>1. https://www.coursera.org/courses?query=economics<br>2. https://www.mooc-list.com/tags/economics<br>3. https://www.coursera.org/learn<br>4. https://ocw.mit.edu/courses<br>5. https://nptel.ac.in/courses/macro economics<br>6. https://nptel.ac.in/courses/economics<br>7. https:// nptel.ac.in/courses/Managerial Economics |

Nathak

| Part-D : Assessment and Evaluation (Theory) | | |
|---|---|---|
| Maximum Marks : **100**<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : **25**<br>University Exam (UE) : **75**<br>Time : **02.00 Hours** | | |
| **Internal Assessment :.**<br>Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) | Class Test | 15 |
| | Assignment/Presentation | 10 |
| | **Total** | **25** |
| **External Assessment :**<br>University Exam | Section (A) : Three Very Short Questions (50 Words Each) | 03×03 = 09 |
| | Section (B) : Four Very Short Questions (200 Words Each) | 04×09 = 36 |
| | Section (C) : Two Long Questions (500 Words Each) | 02×15 = 30 |
| | **Total** | **75** |

Nathale

# अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

| भाग अ - परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम: प्रमाण पत्र | कक्षा: बी.ए. प्रथम | वर्ष: 2021 | सत्र: 2022-23 |
| विषय: अर्थशास्त्र | | | |

| | | |
|---|---|---|
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A1-ECON2G |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | भारतीय अर्थव्यवस्था-एक परिचय |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....) | इलेक्टिव |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | किसी भी संकाय से 12वीं उत्तीर्ण |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (**CLO**) | इस पाठयक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी अवधारणाओं को समझने में सक्षम होगें। वे भारत में कृषि, उद्योग, विदेशी व्यापार, आर्थिक नियोजन तथा विभिन्न आर्थिक समस्याओं से संबंधित पहलुओं से भी परिचित होगें तथा मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था के विभिन्न मुददो को भी समझ सकेंगे। |
| 6 | क्रेडिट मान | 4 + 0 = 4 |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 25+75 ; न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |

**भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु**

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P: 02 घंटे**

| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
|---|---|---|
| I. परिचय | 1. भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं | 12 |
| | 2. राष्ट्रीय आय की क्षेत्रीय संरचना एवं प्रवृत्ति | |
| | 3. श्रमशक्ति का क्षेत्रीय वितरण | |
| | 4. प्राकृतिक संसाधन संपदा - भूमि, जल, पशुधन, वन व खनिज | |
| | 5. भारत में मानव संसाधन | |
| II. कृषि | 1. भारतीय कृषि की प्रकृति, महत्व व विशेषताएं | 12 |
| | 2. कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता की प्रवृत्तियाँ | |
| | 3. हरित क्रान्ति –एक अवलोकन | |
| | 4. कृषि वित्त एवं बीमा | |
| | 5. कृषि विपणन | |
| III. उद्योग एवं विदेशी व्यापार | 1. स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भारत का औद्योगिक विकास | 12 |
| | 2. 1991 की नई औद्योगिक नीति | |
| | 3.औद्योगीकरण में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र की भूमिका। | |
| | 4. सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रम(MSME)-परिभाषा, विशेषताएँ एवं इनकी भूमिका। | |
| | 5. स्टार्टअप इण्डिया, मेक इन इण्डिया एवं आत्म निर्भर भारत | |
| | 6. भारत का विदेशी व्यापार - महत्व, दशा एवं दिशा | |

29.5.21 डॉ. दीप्ति ढवले

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| IV. नियोजन एवं विकास | 1. भारतीय नियोजन- उद्देश्य, सफलताएं एवं विफलताएं | 12 |
| | 2. नीति आयोग | |
| | 3. आधारभूत संरचना – ऊर्जा, परिवहन एवं संचार | |
| | 4. भारतीय आर्थिक समस्याएं-गरीबी, बेरोजगारी एवं क्षेत्रीय विषमताएं | |
| V. मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था | 1. मध्यप्रदेश की अर्थव्यवस्था की मुख्य विशेषताएं | 12 |
| | 2. मध्यप्रदेश के प्राकृतिक संसाधन - भूमि, वन, जल एवं खनिज | |
| | 3. मध्यप्रदेश में कृषि की क्षेत्रीय विषमताएं एवं प्रवृत्तियाँ | |
| | 4. मध्यप्रदेश में औद्योगिक विकास | |
| | 5. मध्यप्रदेश में आधारभूत संरचना का विकास - ऊर्जा,परिवहन एवं संचार | |
| | 6. मध्यप्रदेश में रोजगार मूलक योजनाएं | |

**सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:**

क्षेत्रीय संरचना, भारत के मानवीय संसाधन ,भारतीय कृषि, औद्यौगीकरण, आधारभूत संरचना, भारत की पंचवर्षीय योजनाए, क्षेत्रीय विषमताएं, औद्योगिक विकास।

**भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन**

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:**


1. मिश्रा एवं पुरी - भारतीय अर्थव्यवस्था, हिमालय पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
2. रूद्रदत्त एवं सुन्दरम- भारतीय अर्थव्यवस्था, एस. चान्द एण्ड कम्पनी, नई दिल्ली।
3. रूद्रदत्त-विकास, गरीबी एवं समता, दीप एंड दीप पब्लिकेशन प्रा.लि., नई दिल्ली।
4. जे.पी. मिश्रा – भारतीय अर्थव्यवस्था, साहित्य भवन पब्लिकेशन ,आगरा।
5. Panagariya, Arvind. (2020)-India Unlimited: Reclaiming the Lost Glory, HarperCollins Publishers India
6. Hariharan, N. P. (2008) – Lights and Shades of Indian Economy, Vishal Publishing Co., Jalandhar.
7. Uma Kapila (20th Edition) (2009) – Indian Economy since Independence, Academic Foundation, New Delhi.
8. Reserve Bank of India –Annual Reports.
9. Annual Economic Survey, Government of India (Latest).
10. Brahmananda, P. R. and V. R. Panchmukhi (Eds.) (1987) – The Development Process of the Indian Economy, Himalaya Publishing House, Bombay.
11. Government of India, Planning Commission, 12th Five Year Plan, New Delhi
12. मध्यप्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण 2020-2021,आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय , भोपाल मध्यप्रदेश


**डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक:**

1.http://des.mp.gov.in/Portals/0/Economic_Survey_%202020-21.pdf

2.https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/ebook_es2021/index.html

3.www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/

29.5.21

Department of Higher Education

4.https://www.rbi.org.in/Scripts/AnnualReportMainDisplay.aspx
5.https://www.rbi.org.in/hindi/Scripts/armainpage.aspx
6.https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
7.https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:** https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc21_hs51/preview

**भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:**

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

| | | |
|---|---|---|
| **आंतरिक मूल्यांकन:**<br>**सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):** | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | 15<br>10<br>**कुल अंक :25** |
| **आकलन :**<br>**विश्वविद्यालयीन परीक्षा:**<br>समय- 02.00 घंटे | **अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)**<br>**अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)**<br>**अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)** | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30<br>**कुल अंक 75** |

**कोई टिप्पणी/सुझाव:**

29.5.21 डॉ. दीपि ढवले

Department of Higher Education

## Economics - Syllabus of Theory Paper

| Part A Introduction | | | | |
|---|---|---|---|---|
| **Program: Certificate** | | **Class: B.A. I year** | **Year: 2021** | **Session:2022-23** |
| **Subject: Economics** | | | | |
| **1** | **Course Code** | A1-ECON2G | | |
| **2** | **Course Title** | INDIAN ECONOMY- AN INTRODUCTION (Paper 2) | | |
| **3** | **Course Type (Core Course/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)** | Generic Elective | | |
| **4** | **Pre-requisite (if any)** | 12th Pass in Any Discipline | | |
| **5** | **Course Learning outcomes (CLO)** | After completing this course, students will be able to understand the basic concepts of the Indian economy. They will be familiar with the issues related to Agriculture, Industry, Foreign Trade, Economic Planning and various Economic Problems of India. They will also be able to understand the various issues of Madhya Pradesh Economy. | | |
| **6** | **Credit Value** | 04 | | |
| **7** | **Total Marks** | Max. Marks: 25+75 | | Min. Passing Marks:33 |

**Part B- Content of the Course**

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):02 hours**
**L-T-P:**

| Unit | Topics | No. of Lectures |
|---|---|---|
| **I. Introduction** | 1. Characteristics of Indian Economy<br>2. Trends and Sectoral Composition of National Income<br>3. Sectoral Distribution of Workforce<br>4. Natural Resource Endowments- Land, Water, Livestock, Forest and Minerals<br>5. Human Resources in India | 12 |
| **II. Agriculture** | 1. Nature, Importance and Characteristics of Indian Agriculture<br>2. Trends in Agricultural Production and Productivity<br>3. Green Revolution-An Overview<br>4. Agriculture Finance and Insurance<br>5. Agriculture Marketing | 12 |
| **III. Industry and Foreign Trade** | 1. Industrial Development of India after Independence<br>2. New Industrial Policy of 1991<br>3. Role of Public Sector and Private Sector in | 12 |

29.5.21

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| | Industrialization<br>4. MSME- Definition, Trends and Challenges<br>5. Start-up India, Make in India and Aatm Nirbhar Bharat.<br>6. India's Foreign Trade- Importance, Composition and Direction | |
| **Unit IV. Planning and Development** | 1. Indian Planning -Objectives, Achievements and Failures<br>2. NITI Aayog<br>3. Infrastructure Composition -Power, Transport and Communication<br>4. Indian Economic Problems – Poverty, Unemployment and Regional Inequality | 12 |
| **Unit V. Economy of Madhya Pradesh** | 1. Salient Features of Madhya Pradesh's Economy<br>2. Natural Resources of Madhya Pradesh - Land, Forest, Water and Minerals<br>3. Trends and Regional Disparities in Agriculture of Madhya Pradesh<br>4. Industrial Development in Madhya Pradesh<br>5. Infrastructure Development in Madhya Pradesh– Power, Transport and Communication<br>6. Employment oriented Schemes in Madhya Pradesh | 12 |

**Key Words :** Sectoral Composition, Human Resource of India , Indian Agriculture, Industrialization , Infrastructure ,Five Year Plans in India, Regional Disparities, Industrial Development

**Part C-Learning Resources**

**Text Books, Reference Books, Other resources**

I. **Suggested Readings:**


1. Panagariya, Arvind. (2020)-India Unlimited: Reclaiming the Lost Glory, HarperCollins Publishers India
2. Mishra and Puri (2020) – Indian Economy, Himalaya Publishing House, New Delhi.
3. Rudra Dutt and Sundaram – Indian Economy, S. Chand and Company, New Delhi.
4. Hariharan, N. P. (2008) – Lights and Shades of Indian Economy, Vishal Publishing Co., Jalandhar.
5. Uma Kapila (20th Edition) (2009) – Indian Economy since Independence, Academic Foundation, New Delhi.
6. Reserve Bank of India –Annual Reports.


29.5.21

7. Annual Economic Survey, Government of India (Latest).
8. Brahmananda, P. R. and V. R. Panchmukhi (Eds.) (1987) – The Development Process of the Indian Economy, Himalaya Publishing House, Bombay.
9. Government of India, Planning Commission, 12th Five Year Plan, New Delhi
10. रूद्रदत्त-विकास, गरीबी एवं समता, दीप एंड दीप पब्लिकेशन प्रा.लि. नई दिल्ली
11. जे.पी. मिश्रा – भारतीय अर्थव्यवस्था, साहित्य भवन पब्लिकेशन आगरा
12 .मध्यप्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण 2020-21 – आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय भोपाल मध्यप्रदेश

**Suggested equivalent online courses:** https://onlinecourses.nptel.ac.in/noc21_hs51/preview

**Suggestive Digital Platform :**

1. http://des.mp.gov.in/Portals/0/Economic_Survey_%202020-21.pdf
2. https://www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/ebook_es2021/index.html
3. www.indiabudget.gov.in/economicsurvey/
4. https://www.rbi.org.in/Scripts/AnnualReportMainDisplay.aspx
5. https://www.rbi.org.in/hindi/Scripts/armainpage.aspx
6. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
7. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

## Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 25marks University Exam (UE) 75 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):25 | Class Test<br>Assignment/Presentation | 15<br>10 |
| **External Assessment :** University Exam Section: 75<br>Time : 02.00 Hours | **Section(A)** : Three Very Short Questions (50 Words Each)<br>**Section (B) :** Four Short Questions (200 Words Each)<br>**Section (C) :** Two Long Questions (500 Words Each) | 03 x 03 = 09<br>04 x 09 = 36<br>02 x 15 = 30 Total 75 |

**Any remarks/ suggestions:**

29.5.21 डॉ. दीप्ति डबले

Department of Higher Education

# Economics - Syllabus of Theory Paper

| Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| **Program:** Diploma | | **Class:** B.A. II year | **Session:**2022-23 |
| **Subject:** Economics | | | |
| **1** | **Course Code** | A2-ECON1T | |
| **2** | **Course Title** | MACRO ECONOMICS (Paper 1) | |
| **3** | **Course Type Major / Minor/Elective/ Generic Elective/Vocational/.....)** | MAJOR-1 | |
| **4** | **Pre-requisite (if any)** | Certificate course with Economics as Major subject | |
| **5** | **Course Learning outcomes (CLO)** | After completing this course, students will be able to explain the difference between macroeconomics and microeconomics, common macroeconomic variables, national income and determination of output and employment in classical and Keynesian approaches. They will be able to understand the consumption and investment function of an economy and to derive IS-LM curves and use the framework to explain the working of an economy. Students will also be able to explain the concept, measurement and effects of inflation, deflation and the various theories of trade cycle. | |
| **6** | **Credit Value** | 6 + 0=06 | |
| **7** | **Total Marks** | Max. Marks: 30+70 | Min. Passing Marks:33 |

**Part B- Content of the Course**

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week) L-T-P:** 03 hours

| Unit | Topics | No. of Lectures |
|---|---|---|
| **I** | **Concept of Macroeconomics:**<br>1. Definition of Macroeconomics, Subject Matter, Importance and Limitations<br>2. Interrelationship between Microeconomics and Macroeconomics<br>3. Macroeconomic Variables- Stock and Flow<br>4. Circular Flow of Income<br>5. Definition and Different Concepts of National Income<br>6. Methods of Measuring National Income<br>7. Social Accounting of National Income<br>8. National Income and Economic Welfare<br>9. Ancient Indian Concept of income, debt and charity.(Market failure and Charity)<br>-Rig Ved 117 Hyn. - Bhism Parv of Mahabharat (Book/Vol-VI) | **18** |

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| **II** | **Determination of Employment**:<br>1. Classical Theory of Employment- Say's Market Law, Wage Price Flexibility<br>2. Keynes' Employment Theory- Aggregate Demand Function, Aggregate Supply Function and Effective Demand<br>3. Applicability of Keynes' Employment Theory in Developing Countries<br>4. Psychological Law of Consumption<br>5. Consumption Function- Marginal Propensity to Consume, Average Propensity to Consume, Marginal Propensity to Save and Average Propensity to Save<br>6. Principle of Multiplier<br>7. Accelerator Principle | **18** |
| **III** | **Investment:**<br>1. Investment- Meaning, Types and Motivation<br>2. Marginal Efficiency of Capital (MEC)<br>3. Marginal Efficiency of Investment (MEI)<br>4. Keynes's Liquidity Preference Theory<br>5. Determination of Equilibrium IS Curve in Real Sector and Equilibrium LM Curve in Monetary Sector - IS -LM Model<br>6. Monetary Policy - Meaning, Tools and Effectiveness<br>7. Fiscal Policy - Meaning, Tools and Effectiveness | **18** |
| **IV** | **Inflation and Deflation:**<br>1. Meaning of Inflation, Deflation and Stagflation<br>2. Types and Effects of Inflation<br>3. Principles of Inflation- Demand Pull Inflation and Cost Push Inflation<br>4. Measures to Control Inflation<br>5. Effects of Deflation and Measures to Control Deflation<br>6. Phillips Curve<br>7. Measurement of Inflation in India- Wholesale Price Index(WPI), Consumer Price Index(CPI), GDP Deflator | **18** |
| **V** | **Trade Cycle**:<br>1. Meaning and Phases of Trade Cycle<br>2. Monetary Theory<br>3. Schumpeter's Innovation Theory<br>4. Keynesian Theory<br>5. Kaldor's Theory<br>6. Samuelson's Theory<br>7. Hicksian Theory<br>8. Measures to Control The Trade Cycle | **18** |

**Keywords/Tags:** Macroeconomics, Stock, Flow, National Income, Economic Welfare, Aggregate Demand Function, Aggregate Supply Function, Effective Demand, Consumption Function, Multiplier, Accelerator, Marginal Efficiency of Capital, Marginal Efficiency of Investment, Liquidity Preference, Monetary Policy, Fiscal Policy, Inflation, Deflation, Stagflation, Trade Cycle

## Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

**Suggested Readings:**


1. Shapiro E. – Macro Economic Analysis, Galgotia Publications, New Delhi
2. Jhingan M.L. – Macro Economics, Vrinda Publications, New Delhi
3. Allen R.G.D. – Macro Economic Theory-A Mathematical Treatment, Macmillan Press, London
4. Schaum's Series – Macro Economic Theory, McGrall Hill, Singapore
5. Vaish M.C. – Macro Economic Theory, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., New Delhi
6. Mithani D.M. – Macro Economics, Himalaya Publishing Company, Mumbai


Department of Higher Education

7. आहूजा एच.एल. - उच्चतर समष्टि अर्थशास्त्र, एस. चन्द एण्ड कम्पनी लि., नई दिल्ली
8. झिंगन एम.एल. - समष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन्स, नई दिल्ली
9. सेठी टी.टी. - समष्टि अर्थशास्त्र, लक्ष्मी नारायण अग्रवाल, आगरा
10. वैश्य एम.सी. - समष्टि अर्थशास्त्र, विकास पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली
11. राणा के.सी. एवं के.एन. वर्मा - समष्टि आर्थिक विश्लेषण, विशाल पब्लिशिंग कम्पनी, जालंधर
12. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
13. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
14. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
15. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
16. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
17. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas
18. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York
19. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
20. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press

| **Suggestive Digital Platform :** |
|---|
| 1 https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11<br>2 https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences<br>3 https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7 |

**Suggested equivalent online courses:**
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104073/

## Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**
Maximum Marks : 100
Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30marks University Exam (UE) 70 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): | | Total:30 |
| **External Assessment :** University Exam Section: | | Total: 70 |

**Any remarks/ suggestions:**

Department of Higher Education

# अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

| भाग अ- परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम:डिप्लोमा | | कक्षा: बी.ए. द्वितीय वर्ष | सत्र: 2022-23 |
| विषय: अर्थशास्त्र | | | |
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A2-ECON1T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | समष्टि अर्थशास्त्र (प्रश्न पत्र 1) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (मुख्य/गौण/वैकल्पिक/सामान्य वैकल्पिक/व्यावसायिक/.....) | मुख्य-1 ( मेजर- 1) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | मुख्य विषय अर्थशास्त्र के साथ प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी समष्टि अर्थशास्त्र एवं व्यष्टि अर्थशास्त्र में अंतर, समष्टि आर्थिक चर, राष्ट्रीय आय और प्रतिष्ठित एवं कींसवादी विचारधारा में उत्पादन और रोजगार के निर्धारण को समझने में सक्षम होंगे। वे अर्थव्यवस्था में उपभोग एवं निवेश की कार्यपद्धति को समझ सकेगे तथा आई एस-एल एम वक्र का निर्धारण कर उसके अर्थव्यवस्था में उपयोग की व्याख्या कर सकेंगे। विद्यार्थी मुद्रास्फीति, अवस्फीति और व्यापार चक्र के विभिन्न सिद्धांतों की अवधारणा, माप और प्रभावों की व्याख्या करने में भी सक्षम होंगे। | |
| 6 | क्रेडिट मान | 6 + 0 = 6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |

| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में):**L-T-P:** 03घंटे | | |
| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
| I | **समष्टि अर्थशास्त्र की अवधारणा:**<br>1. समष्टि अर्थशास्त्र की परिभाषा, विषयवस्तु, महत्व एवं सीमाएं<br>2. समष्टि और व्यष्टि अर्थशास्त्र में अंतर्संबंध<br>3. समष्टि आर्थिक चर – स्टॉक एवं प्रवाह<br>4. आय का चक्रीय प्रवाह<br>5. राष्ट्रीय आय की परिभाषा एवं विभिन्न अवधारणाएं<br>6. राष्ट्रीय आय को मापने की विधियां<br>7. राष्ट्रीय आय का सामाजिक लेखांकन<br>8. राष्ट्रीय आय एवं आर्थिक कल्याण<br>9. आय, ऋण और दान की प्राचीन भारतीय अवधारणा। (बाजार की विफलता और दान) – ऋग्वेद वेद, ऋचा-117 - महाभारत का भीष्मपर्व (पुस्तक/खंड-VI) | **18** |

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| II | रोजगार का निर्धारण:<br>1. रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धांत- से का बाजार नियम, मजदूरी कीमत नम्यता<br>2. कींस का रोजगार सिद्धांत – समग्र मांग फलन, समग्र पूर्ति फलन, प्रभावपूर्ण मांग<br>3. विकासशील देशों में कींस के रोजगार सिद्धांत की व्यावहारिकता<br>4. उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम<br>5. उपभोग फलन - सीमांत उपभोग प्रवृत्ति, औसत उपभोग प्रवृत्ति, सीमांत बचत प्रवृत्ति, औसत बचत प्रवृत्ति<br>6. गुणक सिद्धांत<br>7. त्वरक सिद्धांत | **18** |
| III | विनियोग :<br>1. विनियोग- अर्थ, प्रकार एवं प्रेरणा<br>2. पूंजी की सीमांत क्षमता (MEC)<br>3. विनियोग की सीमांत क्षमता (MEI)<br>4. कींस का तरलता पसंदगी सिद्धांत<br>5. वास्तविक क्षेत्र में साम्य आई एस वक्र एवं मौद्रिक क्षेत्र में साम्य एल एम वक्र का निर्धारण –आई एस –एल एम मॉडल<br>6. मौद्रिक नीति- अर्थ, उपकरण एवं प्रभावशीलता<br>7. राजकोषीय नीति - अर्थ, उपकरण एवं प्रभावशीलता | **18** |
| IV | मुद्रास्फीति एवं अवस्फीति :<br>1. मुद्रास्फीति, अवस्फीति, स्फीतिजनित मंदी(Stagflation) का अर्थ<br>2. मुद्रास्फीति के प्रकार एवं प्रभाव<br>3. मुद्रास्फीति के सिद्धांत- मांग प्रेरित स्फीति एवं लागत प्रेरित स्फीति<br>4. मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय<br>5. अवस्फीति के प्रभाव एवं नियंत्रित करने के उपाय<br>6. फिलिप्स वक्र<br>7. भारत में मुद्रास्फीति का मापन- थोक मूल्य सूचकांक(WPI), उपभोक्ता मूल्य सूचकांक(CPI), जीडीपी डिफ्लेटर | **18** |
| V | व्यापार चक्र:<br>1. व्यापार चक्र का अर्थ व अवस्थाएं<br>2. मौद्रिक सिद्धांत<br>3. शुम्पीटर का नवप्रवर्तन सिद्धांत<br>4. कींस का सिद्धांत<br>5. काल्डोर का सिद्धांत<br>6. सैमूल्यसन का सिद्धांत<br>7. हिक्स का सिद्धांत<br>8. व्यापार चक्र को नियंत्रित करने के उपाय | **18** |

Department of Higher Education

**सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:** समष्टि अर्थशास्त्र, स्टॉक, प्रवाह, राष्ट्रीय आय, आर्थिक कल्याण, समग्र मांग फलन, समग्र पूर्ति फलन,प्रभावपूर्ण मांग, उपभोग फलन, गुणक, त्वरक, पूंजी की सीमांत क्षमता, विनियोग की सीमांत क्षमता, तरलता पसंदगी, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति, मुद्रास्फीति, अवस्फीति, स्फीति जनित मंदी, व्यापार चक्र

## भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

**अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री**


1. आहूजा एच.एल. – उच्चतर समष्टि अर्थशास्त्र, एस. चन्द एण्ड कम्पनी लि., नईदिल्ली
2. झिंगन एम.एल. – समष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन्स, नईदिल्ली
3. सेठी टी.टी. – समष्टि अर्थशास्त्र, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
4. वैश्य एम.सी. – समष्टि अर्थशास्त्र, विकास पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली
5. राणा के.सी. एवं के.एन. वर्मा – समष्टि आर्थिक विश्लेषण, विशाल पब्लिशिंग कम्पनी, जालंधर
6. Shapiro E. – Macro Economic Analysis. Galgotia Publications, New Delhi
7. Jhingan M.L. – Macro Economics, Vrinda Publications, New Delhi
8. Allen R.G.D. – Macro Economic Theory-A Mathematical Treatment, Macmillan Press, London
9. Schaum's Series – Macro Economic Theory, McGrall Hill, Singapore
10. Vaish M.C. – Macro Economic Theory, Vikas Publishing House Pvt. Ltd., New Delhi
11. Mithani D.M. – Macro Economics, Himalaya Publishing Company, Mumbai
12. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
13. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
14. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
15. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
16. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
17. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas
18. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York
19. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
20. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press


**अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**

1 https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
2 https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences
3 https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:**
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104073/

Department of Higher Education

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

| | | |
|---|---|---|
| **आंतरिक मूल्यांकन:**<br>**सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):** | क्लास टेस्ट<br>असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन) | **कुल अंक :30** |
| **आकलन :**<br>**विश्वविद्यालयीन परीक्षा:** | | **कुल अंक 70** |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Department of Higher Education

# Economics - Syllabus of Theory Paper

| Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| **Program:** Diploma | | **Class:** B.A. II Year | **Session:**2022-23 |
| **Subject:** Economics | | | |
| **1** | **Course Code** | A2-ECON2T | |
| **2** | **Course Title** | MONEY, BANKING AND PUBLIC FINANCE (Paper 2) | |
| **3** | **Course Type Major / Minor/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)** | Major-2/Minor/Elective | |
| **4** | **Pre-requisite (if any)** | Certificate Course with Economics as Major/Minor/Elective subject | |
| **5** | **Course Learning outcomes (CLO)** | Students successfully completing this course will have the ability to<br>• Explain the quantity theory of money, determinants of money supply, the process of credit creation, credit control and other functions of commercial banks and central bank.<br>• Understand the issues like the role of the state, provision of public goods, optimal design of tax and economic policies.<br>• Describe the role of public expenditure and effects of taxation and and public debt in developing country. | |
| **6** | **Credit Value** | 06 | |
| **7** | **Total Marks** | Max. Marks: 30+70 | Min. Passing Marks: 33 |

**Part B- Content of the Course**

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:** 03 hours

| Unit | Topics | No. of Lectures |
|---|---|---|
| I | **Money:**<br>1. Money - Defination, Functions and Classification<br>2. Importance of Money<br>3. Value of Money and Quantitative Theory of Money – Cash Transaction Approach, Cash Balance Approach and Keynesian Approach<br>4. Quantitative Theory of Milton Freidman<br>5. Main Components of Money Supply, High Powered Money, Concept of Money Multiplier, Factors Affecting Money Supply, Plastic Money | **18** |
| II | **Banking:**<br>1. Bank- Defination and Types<br>2. Functions of Commercial Banks<br>3. Process of Credit Creation by Commercial Banks<br>4. Introduction of Internet Banking and Retail Banking<br>5. Meaning and Importance of Central Bank<br>6. Functions of Central Bank<br>7. Credit Control by Central Bank- Quantitative and Qualitative Methods | **18** |

| | | |
|---|---|---|
| III | Introduction of Public Finance:<br>1. Public Finance – Meaning, Nature and Scope<br>2. Distinction between Private and Public Finance<br>3. Public Goods, Private Goods and Merit Goods<br>4. Market Failures and Role of State<br>5. Principle of Maximum Social Advantage<br>6. Public Expenditure- Meaning and Classification<br>7. Principles of Public Expenditure- Wagner Hypothesis, Peacock and Wiseman Approach<br>8. Causes and Effects of Increasing Public Expenditure<br>9. Public Expenditure in India<br>10. Prices and Taxes. Shanti Parv of – Book. XII of Mahabharat.<br>11. Concept of Public Goods and Taxes as per Kautilya. | **18** |
| IV | **Public Revenue:**<br>1. Sources of Public Revenue<br>2. Taxation – Meaning, Canons and Classification of Taxes<br>3. Impact, Incidence of Taxes and Tax Shifting<br>4. GST-An Introduction<br>5. Taxable Capacity in India<br>6. Effects of Taxation<br>7. Characteristics of Indian Tax Structure | **18** |
| V | **Public Debt and Financial Administration:**<br>1. Public Debt- Meaning, Type and Sources<br>2. Effects of Public Debt<br>3. Methods of Public Debt Redemption<br>4. Public Debt in India<br>5. Deficit Financing<br>6. Federal Finance in India<br>7. Recomandations of Latest Finance Commission in India<br>8. Latest Budget of Centre and State<br>9. Grasp of Economic Policies of Statehood. Sabha Parv of Book II | **18** |

**Keywords/Tags:** Defination of Money, Quantitative Theory of Money, Cash Transaction Approach, Cash Balance Approach, Money Supply, Plastic Money, Credit Creation, Internet Banking, Retail Banking, Credit Control, Repo rate, Public Goods, Merit Goods, Private Goods, Maximum Social Advantage, Classification of Taxes, Incidence of Tax, Tax Shifting, Public Debt, Finance Commission.

## Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other Resources

**I. Suggested Readings:**

1. Mithani D.M.- Money, Banking and Public Finance, Himalaya Publishing House, Mumbai
2. Vaish M.C.- Money Banking Trade and Public Finance, New Age International, New Delhi
3. Singh A.K.-Finance Budget in India, Gyan Books, New Delhi
4. Hajela T.N.- Money, Banking and Public Finance, ANE Books, New Delhi

5. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
6. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
7. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
8. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
9. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
10. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas
11. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York
12. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
13. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press
14. सेठ एम.एल- मुद्रा एवं बैंकिंग, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
15. सेठी टी.टी.- मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
16. सिन्हा वी.सी.- मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व, S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा
17. गुप्ता के.एल.- मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा

**Suggestive Digital Platform :** https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11

**Suggested equivalent online courses:**

https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104076/

https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104071

## Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30marks University Exam (UE) 70 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE):30 | | Total:30 |
| **External Assessment :** University Exam Section: 70 | | Total :70 |

**Any Remarks/ Suggestions:**

# अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

| भाग अ - परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम: डिप्लोमा | | कक्षा: बी.ए. द्वितीय वर्ष | सत्र: 2022-23 |
| विषय: अर्थशास्त्र | | | |
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A2-ECON2T | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | मुद्रा बैंकिंग एवं लोकवित्त (प्रश्न पत्र 2) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार : (मुख्य/गौण/वैकल्पिक/सामान्य वैकल्पिक/व्यावसायिक/.....) | मुख्य-2/गौण/वैकल्पिक (मेजर-2/माइनर/इलेक्टिव) | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | मुख्य/गौण/वैकल्पिक विषय अर्थशास्त्र के साथ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्धयन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | इस पाठ्यक्रम को सफलतापूर्वक पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थियों में यह योग्यता होगी कि वे<br>• मुद्रा के परिमाण सिद्धांत, मुद्रापूर्ति के निर्धारक तत्व, साख निर्माण की प्रक्रिया, साख नियंत्रण और व्यापारिक बैंकों एवं केंद्रीय बैंक के कार्यों की व्याख्या कर सकेंगे।<br>• सरकार की भूमिका, सार्वजनिक वस्तुओं के लिए प्रावधान, कर के अनुकूलतम ढांचे एवं आर्थिक नीतियों के विभिन्न पहलुओं को समझ सकेंगे।<br>• विकासशील देशों में सार्वजनिक व्यय, कराधान के प्रभावों और सार्वजनिक ऋण की भूमिका की व्याख्या कर सकेंगे। | |
| 6 | क्रेडिट मान | 6+ 0 = 6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |

| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P:** 03 घंटे | | |
| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
| I | **मुद्रा :**<br>1. मुद्रा- परिभाषा, कार्य एवं वर्गीकरण<br>2. मुद्रा का महत्व<br>3. मुद्रा का मूल्य एवं मुद्रा का परिमाण सिद्धांत - नकद लेनदेन दृष्टिकोण, नकद शेष दृष्टिकोण एवं कीन्स का दृष्टिकोण<br>4. मिल्टन फ्रीडमैन का परिमाण सिद्धांत<br>5. मुद्रापूर्ति के मुख्य घटक, उच्च शक्ति मुद्रा, मुद्रा गुणक की अवधारणा, मुद्रा पूर्ति को प्रभावित करने वाले तत्व, प्लास्टिक मुद्रा | **18** |
| II | **बैंकिंग:**<br>1. बैंक- परिभाषा एवं प्रकार<br>2. व्यापारिक बैंकों के कार्य | **18** |

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| | 3. व्यापारिक बैंकों द्वारा साख निर्माण की प्रक्रिया<br>4. इंटरनेट बैंकिंग एवं खुदरा बैंकिंग का परिचय<br>5. केंद्रीय बैंक का अर्थ एवं महत्व<br>6. केंद्रीय बैंक के कार्य<br>7. केंद्रीय बैंक द्वारा साख नियंत्रण- गुणात्मक एवं परिमाणात्मक विधियां | |
| III | **लोक वित्त का परिचय :**<br>1. लोक वित्त- अर्थ, प्रकृति एवं क्षेत्र<br>2. लोक वित्त एवं निजी वित्त में अंतर<br>3. सार्वजनिक वस्तुएँ, निजी वस्तुएँ एवं उत्कृष्ट वस्तुएँ<br>4. बाजार की असफलता एवं राज्य की भूमिका<br>5. अधिकतम सामाजिक लाभ का सिद्धांत<br>6. सार्वजनिक व्यय का अर्थ एवं वर्गीकरण<br>7. सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत- वैगनेर की परिकल्पना, पीकॉक एवं वाइजमैन की अवधारणा<br>8. बढ़ते सार्वजनिक व्यय के कारण एवं प्रभाव<br>9. भारत में सार्वजनिक व्यय<br>10. मूल्य और कर। शांति पर्व – पुस्तक XII महाभारत।<br>11. कौटिल्य के अनुसार सार्वजनिक वस्तुओं और करों की अवधारणा। | **18** |
| IV | **सार्वजनिक आय:**<br>1. सार्वजनिक आय के स्रोत<br>2. कराधान - अर्थ, सिद्धांत और करों का वर्गीकरण<br>3. करापात, कराघात एवं कर विवर्तन<br>4. वस्तु एवं सेवा कर(GST) का सामान्य परिचय<br>5. भारत में करदान क्षमता<br>6. करारोपण के प्रभाव<br>7. भारतीय कर ढांचे की विशेषताएं | **18** |
| V | **सार्वजनिक ऋण एवं वित्तीय प्रशासन:**<br>1. सार्वजनिक ऋण- अर्थ, प्रकार एवं स्त्रोत<br>2. सार्वजनिक ऋण के प्रभाव<br>3. सार्वजनिक ऋण शोधन की विधियाँ<br>4. भारत में सार्वजनिक ऋण<br>5. घाटे की वित्त व्यवस्था<br>6. भारत में संघीय वित्त<br>7. नवीनतम वित्त आयोग की अनुशंसाए<br>8. केंद्र एवं राज्य के नवीन बजट<br>9. राज्य की आर्थिक नीतियों की समझ। पुस्तक II . का सभा पर्व। | **18** |

Department of Higher Education

**सार बिंदु (की वर्ड)/टैग:** मुद्रा की परिभाषा, मुद्रा का परिमाण सिद्धांत, नकद लेनदेन दृष्टिकोण, नकद शेष दृष्टिकोण, मुद्रा की पूर्ति, प्लास्टिक मुद्रा, साख निर्माण, इंटरनेट बैंकिंग, खुदरा बैंकिंग, साख नियंत्रण, रेपो रेट, सार्वजनिक वस्तुएं, मेरिट वस्तुएं, निजी वस्तुएं, अधिकतम सामाजिक लाभ, करों का वर्गीकरण,करापात, कराघात, कर विवर्तन, सार्वजनिक ऋण, वित्त आयोग

## भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

### पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन


1. सेठ एम.एल.- मुद्रा एवं बैंकिंग, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
2. सेठी टी.टी.- मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
3. सिन्हा वी.सी. - मुद्रा, बैंकिंग एवं राजस्व, **S.B.P.D.**पब्लिकेशन, आगरा
4. गुप्ता के.एल. - मुद्रा बैंकिंग एवं राजस्व, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा
5. Mithani D.M.- Money, Banking and Public Finance, Himalaya Publishing House, Mumbai.
6. Vaish M.C.- Money Banking Trade and Public Finance, New Age International, New Delhi.
7. Singh A.K.- Finance Budget in India, Gyan Books, New Delhi.
8. Hajela T.N. - Money, Banking and Public Finance, ANE Books, New Delhi.
9. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
10. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
11. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
12. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
13. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
14. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas
15. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York
16. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
17. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press


**डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक:**
https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:**
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104076/
https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104071

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**
अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): | | कुल अंक :30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा: | | कुल अंक 70 |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Department of Higher Education

# Economics - Syllabus of Theory Paper

| Part A Introduction | | | |
|---|---|---|---|
| **Program:** Diploma | **Class:** B.A. II year | | **Session:**2022-23 |
| **Subject:** Economics | | | |
| **1** | **Course Code** | A2-ECO2G | |
| **2** | **Course Title** | Basic Concepts of Economics (Paper 2) | |
| **3** | **Course Type Major / Minor/Elective/Generic Elective/Vocational/.....)** | Generic Elective | |
| **4** | **Pre-requisite (if any)** | Certificate course with Economics as Generic Elective Subject | |
| **5** | **Course Learning outcomes (CLO)** | After completing this course, students will be able to understand the basic concepts of economics. They will be able to explain the consumer's and producer's behaviour. Students will be able to know about the firms, industries, markets and theory of distribution. They will be able to understand macro economic variables, national income, classical and Keynesian approaches of employment and also be able to explain the concept of inflation and trade cycle. | |
| **6** | **Credit Value** | 6 + 0=06 | |
| **7** | **Total Marks** | Max. Marks: 30+70 | Min. Passing Marks:33 |

**Part B- Content of the Course**

**Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): L-T-P:** 03 hours

| Unit | Topics | Lectures |
|---|---|---|
| **I** | **Introduction of Economics:**<br>1. Definition and Nature of Economics<br>2. Interrelationship between Micro Economics and Macro Economics<br>3. Problem of Scarcity<br>4. Methods of Economic Analysis -Inductive and Deductive Methods<br>5. Production Possibility Curve<br>6. Demand, Supply and Equilibrium | **18** |
| **II** | **Consumer Behaviour and Production:**<br>1. Utility Analysis- Total Utility and Marginal Utility<br>2. Consumer's Equilibrium in Indifference Curve Analysis<br>3. Consumer's Surplus.<br>4. Elasticity of Demand<br>5. Short Term and Long Term Production Function<br>6. Internal and External Economies<br>7. Concepts of Cost and Revenue | **18** |
| **III** | **Determination of Price and Production:**<br>1. Meaning and Classification of Market<br>2. Meaning and Characteristics of Perfect Competition and Monopoly<br>3. Meaning and Characteristics of Monopolistic Competition and Oligopoly<br>4. Marginal Productivity Theory of Distribution<br>5. Concept of Rent and Wage<br>6. Concept of Interest and Profit<br>7. Ancient Indian Concept of income, debt and charity.(Market failure and Charity)<br>-Rig Ved 117 Hyn. - Bhism Parv of Mahabharat (Book/Vol-VI) | **18** |

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| IV | **Macro Economic Variables and National Income:**<br>1. Macro Economic Variable- Stock and Flow<br>2. Circular Flow of Income<br>3. Meaning and Importance of National Income<br>4. Different Concepts of National Income<br>5. Consumption Function and Investment Function<br>6. Concept of Multiplier and Accelerator | 18 |
| V | **Theories of Employment and Trade Cycle:**<br>1. Say's Law of Market<br>2. Classical Theory of Employment<br>3. Keynesian Theory of Employment<br>4. Definationof Trade Cycle and Different Phases of Trade Cycles- Prosperity, Recession,Depression,Recovery<br>5. Inflation-Meaning,Causes and Effects<br>6. Role of Monetary and Fiscal Policy<br>7. Trade in Ancient India- Routes(Land Routes and Ports), Goods. | 18 |

**Keywords/Tags:** Micro Economics, Macro Economics, Inductive and Deductive Methods,Consumer Behaviour, Production Function, Perfect Competition, Monopoly, Monopolistic Competition, Marginal Productivity, Stock, Flow, National Income, Consumption Function, Investment Function, Multiplier, Accelerator, Keynesian Theory of Employment, Inflation, Trade Cycle, Monetary Policy, Fiscal Policy

## Part C-Learning Resources

### Text Books, Reference Books, Other resources

I. **Suggested Readings:**


1. Ahuja H.L. (Latest Addition). Principles of Micro Economics, Sultan Chand and Company, New Delhi (Hindi and English Versions).
2. Barla C.S. .(Latest Addition), Micro Economics, National Publishing House, Jaipur, New Delhi (Hindi and English Versions).
3. Jhingan M.L. (Latest Addition), Micro Economic, Vrinda Publication, New Delhi (Hindi and English Versions).USA.
4. Misra S. K. and Puri V. K. (2001) – Advanced Micro Economic Theory, Himalaya Publishing House, Bombay (Hindi and English Versions).
5. Shapiro E. – Macro Economic Analysis, Galgotia Publications, New Delhi
6. Jhingan M.L. – Macro Economics, Vrinda Publications, New Delhi
7. Allen R.G.D. – Macro Economic Theory-A Mathematical Treatment, Macmillan Press, London
8. Schaum's Series – Macro Economic Theory, McGrall Hill, Singapore
9. Vaish M.C. – Macro Economic Theory, Vikas Publishing House, Pvt. Ltd., New Delhi
10. Mithani D.M. – Macro Economics, Himalaya Publishing Company, Mumbai
11. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
12. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
13. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
14. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
15. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge
16. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas
17. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York
18. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.
19. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press
20. सेठएम.एल.- व्यष्टिअर्थशास्त्र
21. पंतजे.सी. एवंमिश्राजे.पी, सूक्ष्मअर्थशास्त्र ,साहित्यभवनपब्लिकेशन, आगरा
22. सिन्हावी.सी.एवंसिन्हापुष्पा, व्यष्टिअर्थशास्त्र,S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा
23. आहूजाएच.एल. – उच्चतरसमष्टिअर्थशास्त्र, एस. चन्दएण्डकम्पनीलि., नईदिल्ली


Department of Higher Education

24. झिंगनएम.एल. – समष्टिअर्थशास्त्र, वृंदापब्लिकेशन्स, नईदिल्ली

25. सेठीटी.टी. – समष्टिअर्थशास्त्र, लक्ष्मीनारायणअग्रवाल, आगरा

26. वैश्यएम.सी. – समष्टिअर्थशास्त्र, विकासपब्लिशिंगहाऊस, नईदिल्ली

27. राणाके.सी. एवंके.एन. वर्मा – समष्टिआर्थिकविश्लेषण, विशालपब्लिशिंगकम्पनी, जालंधर

**Suggestive Digital Platform :**

1. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
2. https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences
3. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7
4. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
5. https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences
6. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

**Suggested equivalent online courses:**

1. http://www.mcafee.cc/Introecon/IEA2007.pdf
2. https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104073/

## Part D-Assessment and Evaluation

**Suggested Continuous Evaluation Methods:**

Maximum Marks : 100

Continuous Comprehensive Evaluation (CCE) : 30marks University Exam (UE) 70 marks

| | | |
|---|---|---|
| **Internal Assessment :** Continuous Comprehensive Evaluation (CCE): | | Total:30 |
| **External Assessment :** University Exam Section: | | Total: 70 |

**Any remarks/ suggestions:**

Department of Higher Education

# अर्थशास्त्र-सैद्धांतिक प्रश्नपत्र पाठ्यक्रम

| भाग अ- परिचय | | | |
|---|---|---|---|
| कार्यक्रम:डिप्लोमा | | कक्षा: बी.ए. द्वितीय वर्ष | सत्र: 2022-23 |
| विषय: अर्थशास्त्र | | | |
| 1 | पाठ्यक्रम का कोड | A2-ECON2G | |
| 2 | पाठ्यक्रम का शीर्षक | अर्थशास्त्र की मूल अवधारणाएं(प्रश्नपत्र 2) | |
| 3 | पाठ्यक्रम का प्रकार :(मुख्य/गौण/वैकल्पिक/सामान्य वैकल्पिक/व्यावसायिक/.....) | सामान्य वैकल्पिक | |
| 4 | पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो) | सामान्य वैकल्पिक विषय अर्थशास्त्र के साथ प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण | |
| 5 | पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO) | इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात विद्यार्थी अर्थशास्त्र की मूल अवधारणाओं को समझने में सक्षम होंगे \| उपभोक्ताओं एवं उत्पादकों के तर्क संगत व्यवहार को समझ सकेगे \| वे फ़र्मों, उद्योगों एवं बाजारों तथा वितरण के सिद्धांत के बारे में भी जान सकेगे \| समष्टि आर्थिक चर, राष्ट्रीय आय और रोजगार की प्रतिष्ठित और कीन्सवादी विचारधारा को समझने में सक्षम होंगे \| विद्यार्थी मुद्रा स्फीति और व्यापार चक्र की अवधारणाओं को भी समझ सकेगे \| | |
| 6 | क्रेडिट मान | 6+ 0 = 6 | |
| 7 | कुल अंक | अधिकतम अंक: 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33 |

| भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु | | |
|---|---|---|
| व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): **L-T-P:** 03 घंटे | | |
| इकाई | विषय | व्याख्यान की संख्या |
| I | **अर्थशास्त्र का परिचय:**<br>1. अर्थशास्त्र परिभाषा एवं प्रकृति<br>2. व्यष्टि एवं समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर्संबंध<br>3. दुर्लभता की समस्या<br>4. आर्थिक विश्लेषण की पद्धतियाँ-आगमन एवं निगमन विधि<br>5. उत्पादन संभावना वक्र<br>6. मांग, पूर्ति एवं संतुलन | 18 |
| II | **उपभोक्ता व्यवहार एवं उत्पादन:**<br>1. उपयोगिता विश्लेषण-कुल उपयोगिता एवं सीमान्त उपयोगिता | 18 |

Department of Higher Education

| | | |
|---|---|---|
| | 2. तटस्थता वक्र विश्लेषण में उपभोक्ता संतुलन<br>3. उपभोक्ता की बचत<br>4. मांग की लोच<br>5. अल्पकालीन एवं दीर्घकालीन उत्पादन फलन<br>6. आंतरिक एवं बाह्य मितव्ययीताएं<br>7. लागत एवं आगम की अवधारणाएं | |
| III | **कीमत व उत्पादन का निर्धारण :**<br>1. बाजार का अर्थ एवं वर्गीकरण<br>2. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार का अर्थ एवं विशेषताएँ<br>3. एकाधिकृत प्रतियोगिता एवं अल्पाधिकार का अर्थ एवं विशेषताएँ<br>4. वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्धांत<br>5. लगान एवं मजदूरी की अवधारणा<br>6. ब्याज एवं लाभ की अवधारणा<br>7. आय, ऋण और दान की प्राचीन भारतीय अवधारणा। (बाजार की विफलता और दान) – ऋग्वेद वेद, ऋचा-117 - महाभारत का भीष्मपर्व (पुस्तक/खंड-VI) | 18 |
| IV | **वृहद आर्थिक चर एवं राष्ट्रीय आय :**<br>1. समष्टि आर्थिक चर- स्टॉक एवं प्रवाह<br>2. आय का चक्रीय प्रवाह<br>3. राष्ट्रीय आय का अर्थ एवं महत्व<br>4. राष्ट्रीय आय की विभिन्न अवधारणाएं<br>5. उपभोग फलन एवं निवेश फलन<br>6. गुणक एवं त्वरक की अवधारणा | 18 |
| V | **रोजगार के सिद्धांत एवं व्यापार चक्र:**<br>1. जे.बी.से का बाजार नियम<br>2. प्रतिष्ठित रोजगार सिद्धांत<br>3. कीन्स का रोजगार सिद्धांत<br>4. व्यापार चक्र की परिभाषा एवं व्यापार चक्र की विभिन्न अवस्थाएं – समृद्धि, सुस्ती, मंदी, पुनरुत्थान<br>5. मुद्रास्फीति- अर्थ,कारण एवं प्रभाव<br>6. मौद्रिक नीति एवं राजकोषीय नीति की भूमिका<br>7. प्राचीन भारत में व्यापार- मार्ग (भूमि मार्ग और बंदरगाह), माल। | 18 |

Department of Higher Education

**सार बिंदु (कीवर्ड)/टैग:** व्यष्टि अर्थशास्त्र, समष्टि अर्थशास्त्र, आगमन एवं निगमन विधि, उपभोक्ता व्यवहार, उत्पादन फलन, पूर्ण प्रतियोगिता, एकाधिकार, एकाधिकृत प्रतियोगिता, सीमान्त उत्पादकता, स्टॉक, प्रवाह, राष्ट्रीय आय, उपभोग फलन, विनियोग फलन, गुणक, त्वरक, कीन्स का रोजगार सिद्धांत, मुद्रास्फीति, व्यापार चक्र, मौद्रिक नीति, राजकोषीय नीति

## भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

### पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1.अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री


1. आहुजा एच.एल- सूक्ष्म अर्थशास्त्र के सिद्धान्त, एस चांद एंड कंपनी, नई दिल्ली नवीनतम संस्करण
2. बरला सी.एस. - सूक्ष्म अर्थशास्त्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस ,जयपुर नवीनतम संस्करण।
3. झिंगन एम .एल.- व्यष्टि अर्थशास्त्र - वृन्दा पब्लिकेशन, नई दिल्ली
4. मिश्रा एस.के. एवं पुरी.वी.के. 2001 उच्चतर व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण,हिमालया पब्लिशिंग हाउस, मुंबई
5. सेठ एम.एल.- व्यष्टि अर्थशास्त्र
6. पंत जे.सी. एवं मिश्रा जे.पी, सूक्ष्म अर्थशास्त्र ,साहित्यभवन पब्लिकेशन, आगरा
7. सिन्हा वी.सी.एवं सिन्हा पुष्पा, व्यष्टि अर्थशास्त्र, S.B.P.D.पब्लिकेशन, आगरा
8. आहूजा एच.एल. – उच्चतर समष्टि अर्थशास्त्र, एस. चन्द एण्ड कम्पनी लि., नईदिल्ली
9. झिंगन एम.एल. – समष्टि अर्थशास्त्र, वृंदा पब्लिकेशन्स, नईदिल्ली
10. सेठी टी.टी. – समष्टि अर्थशास्त्र, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, आगरा
11. वैश्य एम.सी. – समष्टि अर्थशास्त्र, विकास पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली
12. राणा के.सी. एवं के.एन. वर्मा – समष्टि आर्थिक विश्लेषण, विशाल पब्लिशिंग कम्पनी, जालंधर
13. Shapiro E.- Macro Economic Analysis. Galgotia Publications, New Delhi
14. Jhingan M.L.- Macro Economics, Vrinda Publications, New Delhi
15. Allen R.G.D.- Macro Economic Theory-A Mathematical Treatment, Macmillan Press, London
16. Schaum's Series- Macro Economic Theory, McGraw Hill, Singapore
17. Vaish M.C.- Macro Economic Theory, Vikas Publishing House, Pvt. Ltd., New Delhi
18. Mithani D.M.- Macro Economics, Himalaya Publishing Company, Mumbai
19. Billington, R. (1997) Understanding Eastern Philosophy P.43, Routledge.
20. Ganguli k (1896) Mahabharat , Shanti Parv.
21. Ganguli k (1896) Mahabharat , Sabha Parv.
22. Griffiths R (1886) Hymns of the Rigveda.
23. Heim, M (2004) Theories of the Gift in South Asia , Hindu , Buddhist and Jain Refection on Dana. pp 4-5 Routledge


Department of Higher Education

24. Kangle , R. (1965) The Kautilya's Arthsastra 1st Edition , part 1 to part III Motilala Banarsidas

25. Knapp , S (2006) The Power of the Dharma, an Introduction to Hinduism and Vedic Culture; Universe , New York

26. Spengler, J.J. (1971) Indian Economic Thought. Duke University Press, Durham.

27. Swami , S. (2012) "Hindutwa Principle of Economics development", The oxford handbook of Hindu Economy and Business , Chapter , 21 oxford University Press

**2.अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक**

1. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
2. https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences
3. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7
4. https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=11
5. https://vidyamitra.inflibnet.ac.in/index.php/search?subject%5B%5D=&course%5B%5D=Fundamentals+of+microeconomic+theory&domain%5B%5D=Social+Sciences
6. https://www.swayamprabha.gov.in/index.php/channel_profile/profile/7

**अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:**

1. http://www.mcafee.cc/Introecon/IEA2007.pdf
2. https://nptel.ac.in/courses/109/104/109104073/

## भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

**अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां:**

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

| | | |
|---|---|---|
| आंतरिक मूल्यांकन:<br>सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE): | | कुल अंक : 30 |
| आकलन :<br>विश्वविद्यालयीन परीक्षा: | | कुल अंक 70 |

कोई टिप्पणी/सुझाव:

Department of Higher Education

**Department of Higher Education, Govt. of M.P.**
**Under Graduate yearly Syllabus**
**As recommended by Central Board of Studies and and approved by the Governor M.P.**
**उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन**
**स्नातक स्तर वार्षिक पद्धति के अंतर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठ्यक्रम**
**केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म0प्र0 के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित**

**Class / कक्षा – B.A ./ B.sc III Year**
**Session /सत्र् –( 2022-23 )**

## Subject/ विषय – Economics/ अर्थशास्त्र

Title of Subject Group : Development and Environment Economics.. Paper -I

विषय समूह का शीर्षक : विकास एवं पर्यावरण अर्थशास्त्र प्रश्न पत्र – I

नियमित छात्रों हेतू- Max.Marks / अधिकतम अंक : 40 CCE - (आंतरिक मूल्यांकन) 10
स्वाध्यायी छात्रो हेतु–Max.Marks / अधिकतम अंक : 50

### Paper I
### Development and Environment Economics. विकास एवं पर्यावरण अर्थशास्त्र

**Unit I** –Economic Growth and Development – Concept, Characteristics of Developing Countries , Factors of Economic Development and Growth- Capital, Physical and Human Recourses , Research & Development and Technology.

**इकाई 1**: आर्थिक वृद्वि और विकास – अवधारणा, विकासशील देशों की विशेषताएं, आर्थिक वृद्वि और विकास के तत्व– पूँजी , भौतिक और मानव संसाधन, अनुसंधान और विकास एवं तकनीक।

**Unit II** –Theories of Economic Development – Adam Smith, Karl Marx and Schumpeter, Rostow's Stages of Economic Growth, Investment Criteria of Economic Development, Human Resource Development.

**इकाई2**: आर्थिक विकास के सिद्वांत – एडम स्मिथ, कार्ल मार्क्स, शुम्पीटर। रोस्टोव की आर्थिक विकास की अवस्थाएं। आर्थिक विकास के निवेश मापदंड। मानव संसाधन विकास।

**Unit III** – Balanced vs. Unbalanced Growth- Theories of Big Push (Rodan), A.Lewis, Herschman, Leibenstein, Gunnar Myrdal, and Harrod-Domar, Kuzenets Model.

**इकाई 3**: संतुलित बनाम असंतुलित विकास– बड़े धक्के का सिद्धांत (रोडान), ए.लुईस, हर्षमैन, लीबिंसटीन, गुन्नार मिर्डल, हैरोड–डोमर, कुजनेट्स मॉडल।

**Unit IV** – Economic Development and Gender Equality, Gender Development Index (GDI) Women Empowerment, Choice of Techniques of Development-Capital Intensive and Labour Intensive Techniques, Human Development Index

(Dr. Rashi Chy)
4/6/19 Dr Manisha Pathak
04/6/19 (Dr. A.K. Tripathi)
(N. Pandey) Dr. R.K. Sharma
Dr. H. B. Gupta 4.6.19
(Dr. Anuradha Kusumakar) 4.6.19
4/6/19 Prof. R. Acharya
4.6.19 (Dr. Sharda Shukla)

**इकाई 4:** आर्थिक विकास और लिंग समानता। महिला सशक्तिकरण, लैंगिक विकास सूचकांक (GDI)। विकास की तकनीक का चुनाव – पूंजी प्रधान एवं श्रम प्रधान तकनीके। मानव विकास सूचकांक।

**Unit V** – Environment Economics – Concepts , Components and Factors affecting Environments, Environment - Economy Linkage, Population –Environment linkage, Market Failure for Environment Goods. Concept of Sustainable Development , Valuation of Environmental Damages :- Land, Water, Air, and Forest , Prevention and Control. Prevention of Pollution . Renewable and non-Renewable Resources, Green Index- Concept

**इकाई 5:** पर्यावरण अर्थशास्त्र – अवधारणा, घटक एवं पर्यावरण को प्रभावित करने वाले कारक अर्थव्यस्था – जनसंख्या अंर्तसंबंध , जनसंख्या– पर्यावरण अंर्तसंबंध, बाजार विफलता के रूप में पर्यावरणीय वस्तु। धारणीय विकास की अवधारणा, पर्यावरणीय क्षति का आंकलन– भूमि, जल , वायु और वन। पर्यावरण प्रदूषण निवारण और रोकथाम। पुनरूत्पादनीय एवं गैर पुनरूत्पादनीय संसाधन, हरित सूचकांक की अवधारणा।

**Recommended Books :**


M L Jhingan : Economics of growth and development.

Hayami Y : Development Economics, Oxford University Press.

Karpagam M : Environmental Economics

योगेश शर्मा : पर्यावरण एवं मानव संसाधन विकास – पॉइन्ट पब्लिशर , जयपुर

वी सी सिन्हा : विकास एवं पर्यावरणीय अर्थशास्त्र – एस बी पी डी पब्लिशर हाउस, आगरा

पी सी त्रिवेदी / गरिमा गुप्ता – पर्यावरण अध्ययन – आविष्कार पब्लिकेशन, जयपुर

दीप्ति शर्मा / महेन्द्र कुमार – पर्यावरण एवं संविकास – अर्जुन पब्लिकेशन, दिल्ली

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के नवीनतम प्रकाशन


04/06/19 (Dr. U.K. Thale)

(N.G. Sender)

4.6.19 Dr. H. B. Gupta

4/6/19 Prof. R.Acharya

(Dr. Aruna Kusumakar) 4.6.19

4.6.19 (Dr. Sharda Sharda)

(DR. R.K. Sharma)

4/6/18 Dr Manisha Pathak

(Dr. Rashmi Chaubey)

**Department of Higher Education, Govt. of M.P.**
**Under Graduate yearly Syllabus**
**As recommended by Central Board of Studies and and approved by the Governor M.P.**
**उच्च शिक्षा विभाग, म0प्र0 शासन**
**स्नातक स्तर वार्षिक पद्धति के अंतर्गत एकल प्रश्न पत्र प्रणाली अनुसार पाठ्यक्रम**
**केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित तथा म0प्र0 के महामहिम राज्यपाल द्वारा अनुमोदित**

**Class / कक्षा – B.A ./ B.sc III Year**
**Session /सत्र –( 2022-23 )**

## Subject/ विषय – Economics/ अर्थशास्त्र

Title of Subject Group : Statistics . Paper -II

विषय समूह का शीर्षक : सांख्यिकी प्रश्न पत्र – II

नियमित छात्रों हेतू- Max.Marks / अधिकतम अंक : 40 CCE - (आंतरिक मूल्यांकन) 10
स्वाध्यायी छात्रो हेतु–Max.Marks / अधिकतम अंक : 50

### Paper II
### Statistics सांख्यिकी

**Unit I** – Meaning and Definition of Statistics, Nature and Scope, Functions, Importance and Limitations of Statistics. Universe and Sample, Techniques of Data Collection, Classification, Tabulation, Graphic Representation of Data , Frequency Distribution, Cumulative Frequency.

**इकाई1**: संख्यिकी का अर्थ एवं परिभाषा, प्रकृति, एवं क्षेत्र, सांख्यिकी के कार्य, महत्व एवं सीमाएं, समग्र एवं न्यादर्श, समंक संकलन की विधियां, वर्गीकरण, सारणीयन, समंकों का बिंदुरेखीय प्रदर्शन, आवृति वितरण, संचयी आवृति।

**Unit II** – Measures of Central Tendency: Mean, Median, Mode, Geometric Mean and Harmonic Mean. Measures of Dispersion ;- Range, Quartile Deviation.Mean Deviation, Standard Deviation, Coefficient of Variation,

**इकाई2**: केन्द्रीय प्रवृत्ति के मापन – माध्य, माध्यिका, बहुलक, ज्यामितीय माध्य, हरात्मक माध्य, अपकिरण के मापन – विस्तार, चतुर्थक विचलन, माध्य विचलन, प्रमाप विचलन, विचलन गुणांक।

**Unit III** – Correlation – Karl Pearson's co-efficient of Correlation, Spearman's Rank difference , Regression Analysis, Regression Equation, Co-efficient of Regression. Use of Regression and Correlation Analysis.

(Dr. Rashi C...)
4/6/19 Dr Manisha Pathak
04/06/19 (DR. A.K. Tripathi)
(DR. R.K. Sharma)
(N. K. Pandey)
4.6.19 DR. H. B. Gupta
(Dr. Anjana Kusumakar) 4.6.19
4/6/19 Prof. R. Acharya
4.6.19 (Dr. Sharda Shivhare)

**इकाई 3:** सहसंबंध – कार्ल पियरसन का सहसंबंध गुणांक, स्पियरमेन का कोटि अंतर सहसंबंध गुणांक, प्रतीपगमन विश्लेषण, प्रतीपगमन समीकरण, प्रतीपगमन गुणांक, प्रतीपगमन एवं सहसंबंध का उपयोग ।

**Unit IV** – Time Series Analysis, Concept and Component, Additive and Multiplicative Model, Index Numbers- Concept, Type, Importance, Problems In The Construction of Index Number and their limitations . Laspaire's , Passche's and Fisher's Index Numbers.

**इकाई 4:** काल माला का विश्लेषण, संकल्पना एवं घटक, योगात्मक एवं गुणात्मक प्रादर्श, सूचकांक की अवधारणा, प्रकार, महत्व, सूचकांक निर्माण की समस्याएं एवं सीमाएं, लैस्पियर , पाश्चे, एवं फिशर का सूचकांक।

**Unit-V** Probability: Concept, Rules of Probability ,Conditional Probability, Research- Concept and Types, Selection of Research Problems, Hypothesis- Concept and Types, Research Report Writing .

**इकाई 5:** प्रायिकता : अवधारणा, प्रायिकता के नियम , सशर्त प्रायिकता, अनुसंधान अवधारणा एवं प्रकार, अनुसंधान चयन की समस्या।परिकल्पना – अवधारणा एवं प्रकार, अनुसंधान प्रतिवेदन लेखन।

**Recommended Books :**

Statistics : Elhance D N

Research Methodology : C.R.Kothari

सांख्यिकी के सिद्वांत : बी एन गुप्ता

सांख्यिकी के सिद्वांत : एस पी सिंह

सांख्यिकी : शुक्ला एवं सहाय

अनुसंधान का परिचय : पारसनाथ राय

मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी के नवीनतम प्रकाशन

04/06/19
(Dr. A.K. Patel)

(Nalwaden)

4.6.19
Dr. H. B. Gupta

4/6/19
Prof. R Achary

(Dr. Aruna Kusumakar)
4.6.19

4.6.19
(Dr. Sharda Shinde)

4/6/19
Dr Manisha Pathak

(DR. R.K. Sharma)

(Dr. Rashi Chy)